चरवाहे की आवाज़

charwāhe kī āwāz

The Voice of the Shepherd

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 19]

(Urdu—Hindi script)

© 2023 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is a collage of
GDJ https://pixabay.com/vectors/shepherd-herder-silhouette-boy-7128766/; BedexpStock https://pixabay.com/vectors/sheep-animal-standing-farm-lamb-2672678/; kropekk_pl https://pixabay.com/cs/illustrations/vzor-design-textura-vyplnit-barvy-707185/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

अच्छे चरवाहे की आवाज़ सुनो 2

सही दरवाज़े से अंदर आओ 7

ख़ानदानी रिश्ता पाओ 9

सबको दावत है 10

इंजील, यूहन्ना 10:1-21 12

एक दिन का ज़िक्र है कि ईसा मसीह ने एक पैदाइशी अंधे की आँखों को बहाल कर दिया। उस वक़्त न सिर्फ़ अंधे की जिस्मानी आँखें खुल गईं। उसकी रूहानी आँखें भी रौशन हुईं। दुनिया के नूर ने उन्हें रौशन कर दिया। लेकिन सबकी आँखें ईसा मसीह के नूर से रौशन नहीं होतीं। मज़हबी बुज़ुर्गों ने यह मोजिज़ा देखा। फिर भी वह रूहानी अंधे रहे।

► **यह किस तरह मुमकिन था?**

उन्होंने अपनी आँखों को इस नूर के लिए बंद कर रखा। यों वह रूहानी अंधे रहे। उनका अंधापन देखकर ईसा मसीह ने सुननेवालों को एक तमसील सुनाई। एक तस्वीर से वह उन्हें सही पटरी पर लाना चाहता था।

► **तस्वीर क्या थी?**

चरवाहे और भेड़ों की तस्वीर। उसने फ़रमाया,

> मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो दरवाज़े से भेड़ों के बाड़े में दाख़िल नहीं होता बल्कि फलाँगकर अंदर घुस आता है वह चोर और डाकू है। लेकिन जो दरवाज़े से दाख़िल होता है वह भेड़ों का चरवाहा है। (यूहन्ना 10:1-2)

► **यह तमसील किसके बारे में है?**

चरवाहे और उसकी भेड़ों के बारे में।

► **ईसा मसीह इससे क्या सिखाना चाहता है?**

पहली बात,

अच्छे चरवाहे की आवाज़ सुनो

► **चरवाहा कौन है?**

अच्छा चरवाहा ईसा मसीह है।

► **भेड़ें कौन हैं?**

भेड़ें हम सब हैं।

► **क्या चरवाहे के अलावा दूसरे भी बाड़े में आते हैं?**

हाँ, चोर और डाकू भी आते हैं।

► **वह किस तरह आते हैं?**

वह दरवाज़े से नहीं आते। वह दीवार को फलाँगकर बाड़े में घुस आते हैं।

► **चोर और डाकू कौन हैं?**

यह वह राहनुमा हैं जो लोगों को ग़लत तालीम देते हैं और उनसे ग़लत फ़ायदा उठाते हैं। उनसे नुक़सान ही नुक़सान पैदा होता है।

► **चरवाहे और इनमें क्या फ़रक़ है?**

अच्छा चरवाहा डाकू नहीं है। वह भेड़ों की बड़ी फ़िकर करता है। वह उनकी सलामती चाहता है।

► **यह फ़िकर कैसे नज़र आती है?**

वह फलाँगकर बाड़े में नहीं आता। वह दरवाज़े से दाख़िल होता है। लेकिन यह फ़िकर और बातों से भी नज़र आती है। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> चौकीदार उसके लिए दरवाज़ा खोल देता है और भेड़ें उसकी आवाज़ सुनती हैं। वह अपनी हर एक भेड़ का नाम लेकर उन्हें बुलाता और बाहर ले जाता है। (यूहन्ना 10:3)

► **यहाँ यह फ़िकर कैसे नज़र आती है?**

अच्छा चरवाहा अपनी हर भेड़ को जानता है। वह हर एक का नाम लेकर उन्हें बुलाता और बाहर ले जाता है।

► **तब चरवाहा क्या करता है?**

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अपने पूरे गल्ले को बाहर निकालने के बाद वह उनके आगे आगे चलने लगता है और भेड़ें उसके पीछे पीछे चल पड़ती हैं, क्योंकि वह उसकी आवाज़ पहचानती हैं। (यूहन्ना 10:4)

► **चरवाहा क्या करता है?**

वह पूरे गल्ले को बाहर निकालकर उनके आगे आगे चलने लगता है।

► **तब भेड़ें क्या करती हैं?**

वह उसके पीछे पीछे पड़ती हैं।

► **वह क्यों उसके पीछे पड़ती हैं?**

वह उसकी आवाज़ पहचानती हैं।

► **क्या चरवाहा उनके पीछे चलकर उन्हें हाँकता है?**

नहीं। वह उनके आगे आगे चलता है। फ़लस्तीन में चरवाहा हमेशा भेड़ों के आगे आगे चलता है।

काफ़ी साल पहले का ज़िक्र है कि कुछ लोग सफ़र करके फ़लस्तीन पहुँचे। वहाँ किसी गाइड ने उन्हें यह बात बताई कि चरवाहा आगे आगे चलता है। कुछ दिनों बाद उनकी मुलाक़ात एक आदमी से हुआ जो भेड़ों के पीछे चलकर उन्हें हाँक रहा था। मुसाफ़िर दंग रह गए। उन्होंने आदमी से पूछा कि क्या फ़लस्तीन में चरवाहा भेड़ों के आगे आगे नहीं चलता? उसने जवाब दिया, "जी हाँ, हमारे हाँ ऐसा ही होता है। लेकिन बात यह है, मैं चरवाहा नहीं हूँ। मैं तो क़साई हूँ।"

► **आगे चलने में क्या रूहानी सबक़ है?**

- भेड़ों का चरवाहे पर इतना ठोस भरोसा है कि उन्हें हाँकने की ज़रूरत नहीं होती। वह ख़ुद बख़ुद उसके पीछे चलती हैं।
- जहाँ भी हम चलते हैं वहाँ हमारा चरवाहा पहले से क़दम रख चुका है। रास्ते में चाहे दुख हो या सुख वह पहले से वहाँ क़दम रख चुका है। क्योंकि वह हमारे आगे आगे चलता है।

► **उसने हमारे आगे चलकर क्या दुख सहा है?**

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है। (यूहन्ना 10:11)

उसने हमारी ख़ातिर अपनी जान दी। उसने वह सज़ा उठाई जो हमें भुगतनी थी। गुनाह हमें ख़ुदा से जुदा कर देता है। हममें से कोई भी जन्नत में दाख़िल होने के लायक़ नहीं है क्योंकि हम सब गुनाहगार हैं। हमारे गुनाहों को मिटाने के लिए ईसा मसीह ने सलीब पर हमारी जगह सज़ा बरदाश्त की। अब से जो भेड़ उसके पीछे चलती है उसे यह सज़ा सहनी नहीं पड़ती। सलीब पर चरवाहे की मौत उसकी भेड़ों के लिए ज़िंदगी का बाइस बन गई।

जब हम मुसीबत की वादी में से गुज़रते हैं तो यह बात हमारे लिए तसल्ली का बाइस है कि उसने हमारे वास्ते दुख सहा है। वह हमारा दुख समझता है। हर जगह जहाँ हम चल रहे हैं वहाँ वह पहले ही क़दम रख चुका है।

► **हमारे आगे चलकर उसे क्या सुख हासिल हुआ है?**

वह जी उठा और आसमान पर उठा लिया गया। इस वजह से हमारा मुस्तक़बिल ठोस और पुरउम्मीद है। क्योंकि जहाँ वह है वहाँ हम भी आख़िर में पहुँचकर सुख की साँस लेंगे।

► **जो भेड़ें चरवाहे की नहीं हैं क्या वह चरवाहे की सुनती हैं?**

नहीं।

► **क्यों नहीं?**

उनका और मालिक है। पैदाइशी अंधे की मिसाल लें। ईसा मसीह ने उसे बुलाकर बहाल किया। तब वह सीधा उसके पीछे चलने लगा हालाँकि वह शुरू में उसके बारे में कुछ नहीं जानता था। यह एक राज़ है कि अच्छा चरवाहा तमाम भेड़ों को बुलाता है लेकिन सब उसके पीछे चलने नहीं लगतीं। सिर्फ़ वह जो उसकी आवाज़ सुनती हैं उसके पीछे हो लेती हैं। ईसा मसीह के दुश्मन उसकी भेड़ें नहीं थे। न वह उसके नूर में चलते थे न उसकी आवाज़ सुनते थे।

► **क्या आप उसकी आवाज़ सुनते हैं?**

एक और बात : चरवाहे की भेड़ें हर किसी के पीछे नहीं चलतीं। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> लेकिन वह किसी अजनबी के पीछे नहीं चलेंगी बल्कि उससे भाग जाएँगी, क्योंकि वह उसकी आवाज़ नहीं पहचानतीं। (यूहन्ना 10:5)

► **वह अजनबी के पीछे क्यों नहीं चलतीं?**

वह उसकी आवाज़ नहीं पहचानतीं।

किसी ने फ़लस्तीन की एक नदी पर तीन चरवाहे देखे जो अपने जानवरों को पानी पिला रहे थे। कुछ देर बाद एक उठा और अपनी भेड़ों को आवाज़ देकर चल पड़ा। उसकी अपनी भेड़ें एकदम उसके पीछे हो लीं।

इसके बाद दूसरा चरवाहा अपनी भेड़ों को पुकारकर चला गया। उसने उन्हें गिनने की तकलीफ़ भी न उठाई। फिर भी पूरा गल्ला उसके पीछे हो लिया। तब मुसाफ़िर ने तीसरे चरवाहे से कहा,"मुझे अपनी पगड़ी और लाठी दे दो तो मैं ही उन्हें बुलाऊँगा।" चरवाहे ने उसे यह चीज़ें दीं और मुसाफ़िर ने भेड़ों को आवाज़ दी।

► **क्या वह उसके पीछे हो लीं?**

बिलकुल नहीं। एक भी जानवर अपनी जगह से न हिला।

मुसाफ़िर ने पूछा, "क्या आपकी भेड़ें कभी किसी अजनबी के पीछे हो लेती हैं?"

चरवाहा बोला, "बेशक। जब कभी कोई भेड़ बीमार पड़ जाए तो हो सकता है वह किसी अजनबी के पीछे हो ले।" दूसरी बात,

सही दरवाज़े से अंदर आओ

ईसा मसीह न सिर्फ़ अच्छा चरवाहा है। वह नजात का दरवाज़ा भी है। उसने फ़रमाया,

> मैं ही दरवाज़ा हूँ। जो भी मेरे ज़रीए अंदर आए उसे नजात मिलेगी। वह आता-जाता और हरी चरागाहें पाता रहेगा। (यूहन्ना 10:9)

► **जो इस दरवाज़े में जाए उसे क्या मिलेगा?**

उसे नजात मिलेगी।

► **यहाँ नजात का असर बयान किया गया है। वह क्या है?**

जिसे नजात मिली है वह आता-जाता और हरी चरागाहें पाता रहेगा।

► **इसका क्या मतलब है?**

उसे अबदी ज़िंदगी मिलेगी। इसका मतलब न सिर्फ़ यह है कि वह जन्नत में दाख़िल होगा। वह इस दुनिया में भी भरपूर ज़िंदगी पाएगा।

► **भरपूर ज़िंदगी का क्या मतलब है?**

चरवाहा अपनी भेड़ों को रात के वक़्त बाड़े में महफ़ूज़ करके उनकी निगहबानी करता है। सुबह को वह उन्हें बाड़े से निकालकर चरागाहों में ले जाता है। उसे मालूम है कि कहाँ कहाँ अच्छी घास मिलती है, कि ज़मीन में से चश्मे कहाँ कहाँ उबलते हैं। वह उन्हें ज़हरीले पौधों और जंगली जानवरों से महफ़ूज़ रखता है। वही जानता है कि भेड़ के लिए क्या क्या अच्छा होता है। यही बातें हम पर भी सादिक़ आती हैं। जब अच्छा चरवाहा हमारे आगे चलता है तो हम उसी के हाथ में हैं। वही हमारा मुहाफ़िज़ है। वही वक़्त पर हर ज़रूरत मुहैया करता है।

लेकिन नजात का एक ही दरवाज़ा है—ईसा मसीह जो हमारा अच्छा चरवाहा है। हमें सिर्फ़ उसी दरवाज़े से दाख़िल होकर नजात मिलती है। तीसरी बात,

ख़ानदानी रिश्ता पाओ

अच्छा चरवाहा कहाँ तक अपनी भेड़ों की फ़िकर करता है? ईसा मसीह ने इसका साफ़ जवाब दिया,

> अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है। (यूहन्ना 10:11)

अगर जंगली जानवर आए तो अच्छा चरवाहा अपनी जान देने को तैयार है। मज़दूर ऐसा नहीं होता। भेड़िया आया तो मज़दूर ओझल हो गया। ईसा मसीह ऐसा नहीं है। वह न सिर्फ़ अपनी जान देने को तैयार था बल्कि उसने सचमुच अपनी जान दी।

► **उसने क्यों अपनी जान दी?**

इसलिए कि उसका अपनी भेड़ों से ख़ानदान का गहरा रिश्ता है। वह फ़रमाता है,

> मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ और वह मुझे जानती हैं, बिलकुल उसी तरह जिस तरह बाप मुझे जानता है और मैं बाप को जानता हूँ। (यूहन्ना 10:14-15)

► **ईसा मसीह अपनी भेड़ों को किस तरह जानता है?**

उस तरह जिस तरह वह ख़ुदा बाप को जानता है। जिस तरह बाप का ईसा मसीह से गहरा रिश्ता है उसी तरह ईसा मसीह का अपनी भेड़ों से रिश्ता है। इसी रिश्ते की वजह से उसने अपनी जान दी।

► **यह किस तरह का रिश्ता है?**

यह ख़ानदान का रिश्ता है। सब भेड़ों का एक ही बाप है—ख़ुदा बाप। सब भेड़ों का एक ही चरवाहा है—ईसा मसीह जो ख़ुदा बाप का फ़रज़ंद है। इसलिए सब भेड़ें भाई-बहन हैं। चौथी बात,

सबको दावत है

ईसा मसीह न सिर्फ़ यहूदियों का चरवाहा है। उसने फ़रमाया,

> मेरी और भी भेड़ें हैं जो इस बाड़े में नहीं हैं। लाज़िम है कि उन्हें भी ले आऊँ। वह भी मेरी आवाज़ सुनेंगी। फिर एक ही गल्ला और एक ही गल्लाबान होगा। (यूहन्ना 10:16)

► **दूसरी भेड़ें कौन हैं?**

दूसरी भेड़ें पूरी दुनिया की क़ौमें हैं। ईसा मसीह सबको बुला रहा है कि आओ और मेरे पीछे हो लो। मेरी भेड़ें बनो। इनमें मैं और आप भी शामिल हैं।

► **क्या आप उसकी भेड़ हैं?**

ईसा मसीह पूरे ज़ोर से हमको बुला रहा है। यह उसकी अपनी ही मरज़ी है। वह पक्के इरादे से इस दुनिया में नाज़िल हुआ ताकि हमें नजात दे। उसे शुरू ही से पता था कि वह अपनी जान देगा। उसे यह भी पता था कि वह दुबारा जी उठेगा और आसमान पर उठा लिया

जाएगा। उसने अपनी ही मरज़ी से यह रास्ता अपनाया। इसलिए उसने फ़रमाया,

> कोई मेरी जान मुझसे छीन नहीं सकता बल्कि मैं उसे अपनी मरज़ी से दे देता हूँ। मुझे उसे देने का इख़्तियार है और उसे वापस लेने का भी। (यूहन्ना 10:18)

► **उसने यह रास्ता क्यों इख़्तियार किया?**

एक ही वजह है : वह अच्छा चरवाहा है। वह हमें प्यार करता है। उसे हमारी फ़िकर है। वह ख़ूब जानता है कि हम सब गुनाहगार हैं। वह नहीं कहता कि तू नालायक़ है, दफ़ा हो जा। नहीं, वह हर एक को प्यार से बुलाकर फ़रमाता है कि क्या तू मेरी भेड़ नहीं होना चाहता? मेरे पीछे हो ले तो तुझे हरी हरी चरागाहें मिलेंगी। जन्नत की चरागाहें। अबदी ज़िंदगी के सरचश्मे। वहाँ तू गुनाह, मुसीबत और मौत से आज़ाद होकर सुख की साँस लेगा। आओ मेरे पीछे।

ईसा मसीह की यह बातें सुनकर बहुतों ने कहा कि यह बदरूह के क़ब्ज़े में है। यह दीवाना है। लेकिन कुछ ने कहा कि बदरूह के क़ब्ज़े में आदमी ऐसी बातें और काम किस तरह कर सकता है? उसने तो अंधे की आँखें बहाल कीं।

दो मुमकिन रास्ते हैं। आप उसे क़बूल करके उसकी भेड़ बन सकते हैं या आप उसे रद करके उसकी नजात से महरूम रह सकते हैं। आप कौन-सा रास्ता चुनेंगे?

इंजील, यूहन्ना 10:1-21

मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो दरवाज़े से भेड़ों के बाड़े में दाख़िल नहीं होता बल्कि फलाँगकर अंदर घुस आता है वह चोर और डाकू है। लेकिन जो दरवाज़े से दाख़िल होता है वह भेड़ों का चरवाहा है। चौकीदार उसके लिए दरवाज़ा खोल देता है और भेड़ें उसकी आवाज़ सुनती हैं। वह अपनी हर एक भेड़ का नाम लेकर उन्हें बुलाता और बाहर ले जाता है। अपने पूरे गल्ले को बाहर निकालने के बाद वह उनके आगे आगे चलने लगता है और भेड़ें उसके पीछे पीछे चल पड़ती हैं, क्योंकि वह उसकी आवाज़ पहचानती हैं। लेकिन वह किसी अजनबी के पीछे नहीं चलेंगी बल्कि उससे भाग जाएँगी, क्योंकि वह उसकी आवाज़ नहीं पहचानतीं।”

ईसा ने उन्हें यह तमसील पेश की, लेकिन वह न समझे कि वह उन्हें क्या बताना चाहता है।

इसलिए ईसा दुबारा इस पर बात करने लगा, “मैं तुमको सच बताता हूँ कि भेड़ों के लिए दरवाज़ा मैं हूँ। जितने भी मुझसे पहले

आए वह चोर और डाकू हैं। लेकिन भेड़ों ने उनकी न सुनी। मैं ही दरवाज़ा हूँ। जो भी मेरे ज़रीए अंदर आए उसे नजात मिलेगी। वह आता-जाता और हरी चरागाहें पाता रहेगा। चोर तो सिर्फ़ चोरी करने, ज़बह करने और तबाह करने आता है। लेकिन मैं इसलिए आया हूँ कि वह ज़िंदगी पाएँ, बल्कि कसरत की ज़िंदगी पाएँ।
अच्छा चरवाहा मैं हूँ। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है। मज़दूर चरवाहे का किरदार अदा नहीं करता, क्योंकि भेड़ें उसकी अपनी नहीं होतीं। इसलिए ज्योंही कोई भेड़िया आता है तो मज़दूर उसे देखते ही भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है। नतीजे में भेड़िया कुछ भेड़ें पकड़ लेता और बाक़ियों को मुंतशिर कर देता है। वजह यह है कि वह मज़दूर ही है और भेड़ों की फ़िकर नहीं करता। अच्छा चरवाहा मैं हूँ। मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ और वह मुझे जानती हैं, बिलकुल उसी तरह जिस तरह बाप मुझे जानता है और मैं बाप को जानता हूँ। और मैं भेड़ों के लिए अपनी जान देता हूँ। मेरी और भी भेड़ें हैं जो इस बाड़े में नहीं हैं। लाज़िम है कि उन्हें भी ले आऊँ। वह भी मेरी आवाज़ सुनेंगी। फिर एक ही गल्ला और एक ही गल्लाबान होगा। मेरा बाप मुझे इसलिए प्यार करता है कि मैं अपनी जान देता हूँ ताकि उसे फिर ले लूँ। कोई मेरी जान मुझसे छीन नहीं सकता बल्कि मैं उसे अपनी मरज़ी से

दे देता हूँ। मुझे उसे देने का इख़्तियार है और उसे वापस लेने का भी। यह हुक्म मुझे अपने बाप की तरफ़ से मिला है।”
इन बातों पर यहूदियों में दुबारा फूट पड़ गई। बहुतों ने कहा, “यह बदरूह की गिरिफ़्त में है, यह दीवाना है। इसकी क्यों सुनें!”
लेकिन औरों ने कहा, “यह ऐसी बातें नहीं हैं जो बदरूह-गिरिफ़्ता शख़्स कर सके। क्या बदरूहें अंधों की आँखें बहाल कर सकती हैं?”